राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर

मेधा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह

प्रगति आख्या

सत्र 2018-19

प्रस्तुति: डा. संतन कुमार राम

दिनांक 9 फरवरी 2019

"उतिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत" सूत्रवाक्य के साथ राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर की स्थापना 3 दिसंबर 1977 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री श्री कालीचरण जी के प्रयास से डॉ. रजनी सिंह के सक्षम प्रशासकीय नेतृत्व में 10 छात्राओं एवं कला संकाय के 09 विषयों के साथ हुई। महाविद्यालय का कुल क्षेत्रफल 4.83 एकड में विस्तृत है जिसका मुख्य परिसर 2.97 एकड तथा भावी विकास हेतु दक्षिणी परिसर 1.76 एकड़, जल निगम परिसर के पीछे अवस्थित है । सम्प्रति महाविद्यालय में स्नातक कला स्तर पर 18 विषय, स्नातक विज्ञान स्तर पर पांच विषय तथा सात मानविकी विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, जिनमें 3653 छात्राएं संस्थागत, 248 छात्राएं व्यक्तिगत रूप में अध्यनरत तथा 26 छात्र शोधरत हैं। महाविद्यालय में 27,000 से अधिक पुस्तकों एवं विभिन्न विषयों से संबंधित मासिक पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय, विविध विषयों से संबंधित प्रयोगशालाओं की सुविधा, स्वच्छ RO पेयजल, स्वच्छ शौचालयों तथा छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।

परंपरागत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा यहां स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स की सुविधा उपलब्ध है तथा NIELIT भारत सरकार द्वारा CCC तथा 0 लेवल कंप्यूटर पाठ्यक्रम वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर संचालित किए जा रहे हैं। महाविद्यालय में गत वर्ष स्नातक कला वर्ग का परीक्षा परिणाम 96.7 प्रतिशत; स्नातक विज्ञान वर्ग का 92.5 प्रतिशत स्नातकोत्तर गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास, अंग्रेजी, हिंदी और शिक्षा शास्त्र सभी स्नातकोत्तर विषयों का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा । महाविद्यालय के समस्त विभाग कंप्यूटर-लैपटॉप, **Wi-Fi, LAN** निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु इनवर्टर की सुविधा से युक्त है। प्रवेश प्रक्रिया मेरिट पर आधारित पूर्णतः ऑनलाइन एवं पारदर्शी है। N-LIST का यह महाविद्यालय रजिस्टर्ड सदस्य है। भारत सरकार प्रदत्त Edusat प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला महाविद्यालय में स्थापित है । राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अंतर्गत 2.0 करोड रुपये स्वीकृत हैं जिसका उपयोग कर स्नातकोत्तर वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, इस प्रयोगशाला के साथ ही नवीन पी.जी. ब्लॉक के हस्तांतरण की प्रक्रिया भी प्रगति पर है।

छात्राओं के साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक विकास के लिए महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में परिषदों का गठन किया गया है, जिनके द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता , निबंध लेखन, लोक नृत्य- लोकगीत, राउण्ब टेबल कॉन्फ्रेंस, पाट डेकोरेशन, प्राकृतिक दृश्य चित्रण, मॉडल एवं

चार्ट निर्माण , कुंभ पर्व पर आधारित विविध प्रतियोगिताएं, काव्य पाठ, वाद-विवाद, पत्रकारिता, मानचित्र निर्माण, पत्र लेखन, भाषण, भौगोलिक ज्ञान अभिव्यक्ति एवं तार्किक ज्ञान प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया । महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका कीर्ति रचना धर्मिता का विशिष्ट अवसर छात्राओं को प्रदान करती है । विभागीय स्तर पर नवागत छात्र स्वागत तथा विदाई समारोह का छात्राओं को बेसब्री से इंतजार रहता है ।

अंतरविषयक ज्ञान हेतु IQAC द्वारा आयोजित एक्सटेंशन लेक्चर सीरीज में विभिन्न अवसरों पर आयोजित व्याख्यानों में डॉ. अनीता मेश्राम- नागपुर विश्वविद्यालय, डॉ. टी विल्सन राव- सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, कैरियर निर्देशन पर -श्री अम्बरीश चौबे, पूर्व महानिदेशक वन विभाग-राजस्थान, बाल अधिकारों पर परिचर्चा- जस्टिस संजय सिंह द्वारा, हिन्दी साहित्य पर प्रो. अजय मिश्र-आजमगढ़, कुंभ पर संगोष्ठी- डॉ राजीव दूबे उत्तरकाशी-उत्तराखंड एवं संतन कुमार राम द्वारा, लोकतंत्र एवं नारी सशक्तिकरण विषय पर व्याख्यान डॉ घनश्याम कुशवाहा वाराणसी द्वारा, पं. दी. द. उ. जयन्ती क् अवसर पर एकात्म मानववाद पर डा. विकास सिंह द्वारा , मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर प्रो. अमरनाथ राय आदि का व्याख्यान महाविद्यालय में आयोजित कराया गया।

छात्राओं के बेहतर ज्ञानार्जन हेतु भूगोल विषय की छात्राओं ने क्षेत्र अध्ययन के रूप में उत्तराखंड के हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी, धनोल्टी और देहरादून आदि स्थानों का भ्रमण किया । विज्ञान संकाय की छात्राओं ने राष्ट्रीय कृषि एवं बीज अनुसंधान केंद्र मऊ का भ्रमण किया तथा रेंजर्स की टीम मैहर-चित्रकूट की सहासिक यात्रा पर गई ।

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. निरंजन यादव, डॉ. संगीता मौर्य, डॉ. शशिकला जायसवाल, श्री हरेन्द्र यादव, श्री संतन कुमार राम, डॉ. विकास सिंह, श्री इखलाक खान, डा. दिवाकर मिश्रा, श्री शिव कुमार, डा. अमित यादव ने 11 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत कर प्रतिभाग किया । देश में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्वोक्त प्राध्यापकों के अतिरिक्त श्री अकबरे आजम, डाक्टर दीप्ति सिंह, डॉ संजय गुप्ता, सुश्री पूजा सिंह, डा. कौशल कुमार श्रीवास्तव तथा डा. एस.के. एस. पाण्डेय आदि ने विभिन्न सेमिनार-कांफ्रेंस में 12 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत कर प्रतिभाग किया ।

इसी क्रम में डॉ बी एन पांडे, डॉक्टर सत्येंद्र सिंह, डॉ दिवाकर मिश्रा, सुश्री पूजा सिंह, श्री संतन कुमार, डा. शम्भू शरण प्रसाद, श्रीमती सारिका सिंह का एक-एक शोधपत्र, तथा श्री अकबरे आजम, डा. निरंजन यादव, डा. शशिकला जायसवाल, डा. संगीता मौर्या एवं डॉ संजय गुप्ता के एक से अधिक शोध पत्र, आलेख और अध्याय शोध जर्नल्स और पुस्तकों नें प्रकाशित हुए हैं। इसी वर्ष डॉक्टर विकास सिंह के संपादन में "सहःअस्तित्व- एक वैचारिकी" पुस्तक का विमोचन आज मान्यवर के कर कमलों से होना प्रस्तावित है । समस्त महाविद्यालय को प्रेरणादायी नेतृत्व प्रदान करते हुए स्वयं प्राचार्य महोदया ने आख्यागत वर्ष में वि.वि. एवं शासन में विभिन्न समितियों तथा शासकीय दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ, तीन लेख और एक पुस्तक " रहना नहीं देश बेगाना" प्रकाशित कराई है । आपने दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों में उद्घाटक वक्ता के रूप में आमंत्रित व्याख्यान भी दिया है ।

महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. शैलेंद्र यादव, डॉ. शशिकला जायसवाल, डॉ. दिवाकर मिश्र, श्री अकबरे आजम, तथा डॉ. संगीता मौर्य ने इस वर्ष विभिन्न विश्वविद्यालयों में आयोजित ओरिएंटेशन और रिफ्रेशर

कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर तथा श्री शिवकुमार एवं डा. शम्भू शरण प्रसाद ने अंतराष्ट्रीय कार्यशालाओं में नवीन ज्ञानार्जन कर, उसे मूर्त रुप में महाविद्यालय की छात्राओं के हित में अनुप्रयुक्त किया।

महाविद्यालय में NCC की 28वीं UP GIRLS बटालियन की दो प्लाटून में कुल 105 छात्राएं डा. शशिकला जायसवाल के नेतृत्व पंजीकृत हैं इस सत्र में 50 छात्राओं ने वाराणसी में आयोजित 10 दिवसीय कंबाइंड ट्रेनिंग कैंप सफलतापूर्वक पूरा किया, 10 छात्राएं Army Attachment Camp-Luckhnou तथा IGC Camp में 05 छात्राएं चयनित हुईं । रेंजर्स एवं NSS की इकाईयों के साथ मिलकर विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों यथा स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत, मतदाता जागरुकता रैली, विभिन्न महापुरुषों की जयंती का आयोजन के द्वारा वर्ष-पर्यंत विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग किया।

महाविद्यालय में रेंजर्स का प्रज्ञा दल अपने टीम लीडर शिवांगी गोंड तथा रेंजर प्रभारी श्री शिवकुमार के नेतृत्व में लगातार सक्रिय रहा । महाविद्यालय और नगर क्षेत्र ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में, जनपद स्तरीय तथा विश्वविद्यालय स्तरीय कार्यक्रमों में, इस टीम ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। जनपद स्तरीय समागम में प्रज्ञा रेंजर दल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, प्रदेश स्तरीय मूट में महाविद्यालय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ तथा विश्वविद्यालय समागम में टीम ने तृतीए स्थान प्राप्त किया। इसी वर्ष रेंजर प्रभारी शिवकुमार जी ने रेंजर्स की बेसिक ट्रेनिंग भी सफलता पूर्वक उत्तीर्ण की।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत महाविद्यालय में तीन इकाईयां शासन द्वारा स्वीकृत हैं, जो वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री अखलाक खान एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वय- डॉ अमित यादव , श्रीमती सारिका सिंह के निर्देशन में पूरे सत्र समाज में जागरुकता लाने हेतु प्रयासरत रहे । जिसमें विभिन्न घाटो की सफाई, मुहल्लों में परिचर्चा, नारी जागरुकता के अलावा इन इकाईयों द्वारा नुक्कड़ नाटक, साक्षरता एवं मतदाता जागरुकता अभियान के द्वारा जनपद में विशिष्ट पहचान स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस में भी इस समूह ने सहभागिता की। महाविद्यालय की बी.ए. द्वितीय की छात्रा शीतल खरवार को उत्कृष्ट स्वयंसेवी के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में विवेकानंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है । इस अवसर पर श्री एखलाक खान ने महाविद्यालय की NSS इकाई को उसके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रदत्त, स्वामी विवेकानन्द पुरस्कार प्राप्त किया।

महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा इस सत्र में योग कार्यशाला तथा क्रिकेट कार्यशाला का आयोजन किया गया। वार्षिक क्रीड़ा समारोह 'स्पर्धा 2019' का आयोजन 5 एवं 6 फरवरी को हुआ, जिसमें आबिदा खातून बी.ए. तृतीय वर्ष क्रीड़ा चैंपियन बनीं। शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डा. शम्भू शरण प्रसाद ने पुलिस लाइन में पासिंग आउट परेड, क्रिकेट प्रतियोगिता तथा गणतंत्र दिवस परेड का संचालन किया।

वर्तमान सत्र में राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक श्री प्रताप सिंह रावत का स्थानांतरण राजकीय महाविद्यालय सहारनपुर के लिए तथा गृह विज्ञान की प्राध्यापिका डॉ वंदना कुमारी चयनोपरान्त बिहार विश्वविद्यालय सेवा में मजफ्फपुर-बिहार हेतु कार्यमुक्त हुईं । परिचारक राहुल राव रमाबाई राजकीय महाविद्यालय अंबेडकरनगर स्थानांतरित हुए। इसी सत्र में परिचारक श्रीमती शशि देवी, श्री जोखूलाल एवं श्री रतनलाल सुदीर्घ सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए।

डॉ निरंजन यादव राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर से, डॉ. संगीता मौर्य राजकीय महाविद्यालय चित्रकूट से, डॉ शैलेंद्र यादव राजकीय महाविद्यालय दुद्धी से एवं डॉ संजय गुप्त ने राजकीय महाविद्यालय मगरहां से स्थानांतरित होकर इस महाविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया।

विशिष्ट आयोजनो में महिला प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग के तत्वावधान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसी क्रम में भारत सरकार के युवा एवं खेल मंत्रालय के निर्देश पर महाविद्यालय में जनपद स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन नोडल अधिकारी डॉ. अमित यादव, के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ । जिसमें महाविद्यालय की दो पूर्व छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता के लिए हुआ। विज्ञान संकाय द्वारा DNA फिंगरप्रिंटिंग से संबंधित कार्यशाला का आयोजन साइटोजीन जेनेटीक इंजीनियरिंग- लखनऊ के सहयोग से हुआ। जनपद में पहली बार मानव श्रृंखला के द्वारा भारत के मानचित्र का निर्माण महाविद्यालय की छात्राओं ने मुख्य विकास अधिकारी के आह्वान पर मतदाता जागरूकता हेतु किया। महाविद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत 03 सेनेटरी नैपकीन वेंडिग एवं इंसिनरेटर मशीन लगाई गई है। जिला प्रशासन द्वारा तीन सोलर लाइट भी महाविद्यालय को प्राप्त हुई है । महाविद्यालय की वरिष्ठतम प्राध्यपिका डॉ. दीप्ति सिंह को इस सत्र में कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। वर्तमान सत्र में श्री शिवकुमार महाविद्यालय के उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त वि.वि.अध्ययन केन्द्र के समन्वयक नियुक्त हुए साथ ही 36 नये पाठ्यक्रमों में वि.वि. से मान्यता भी प्राप्त हुई है।

वर्तमान प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सविता भारद्वाज जी की विलक्षण प्रतिभा, कुशल प्रशासन, कर्तव्य निष्ठ आचरण एवं स्नेहिल व्यवहार से समग्र रूप में महाविद्यालय क्रमशः विकास के पथ पर अग्रसर है और अभी इसके विकास की असीम संभावनाएं हैं। महाविद्यालय को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु प्रस्ताव शासन के विचाराधीन है। छात्राओं की अपेक्षा के अनुरुप प्रायः सभी विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाएं संचालित करने जाने की आवश्यकता है, तदनुरूप पद सृजन की भी अपेक्षा है । हमें आशा एवं विश्वास है कि शासन प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से महाविद्यालय अपने वांछित लक्ष्य की पूर्ति में सफल होगा।

धन्यवाद !